Admission Advice
Our priority Your Future
www.admissionadvice.in

Roll No. रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यह संतोष और गर्व की बात है कि देश वैज्ञानिक और औद्योगिक क्षेत्र में आशातीत प्रगति कर रहा है । विश्व के समृद्ध अर्थव्यवस्था वाले देशों से टक्कर ले रहा है और उनसे आगे निकल जाना चाहता है । किंतु इस प्रगति के उजले पहलू के साथ एक धुँधला पहलू भी है जिससे हम छुटकारा चाहते हैं । वह है नैतिकता का पहलू । यदि हमारे हृदय में सत्य, ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठा और मानवीय भावनाएँ नहीं हैं; देश के मान-सम्मान का ध्यान नहीं है; तो सारी प्रगति निरर्थक होगी । आज यह आम धारणा है कि बिना हथेली गर्म किए साधारण-सा काम भी नहीं हो सकता । भ्रष्ट अधिकारियों और भ्रष्ट जनसेवकों में अपना घर भरने की होड़ लगी है । उन्हें न समाज की चिंता है, न देश की । समाचार-पत्रों में अब ये रोज़मर्रा की घटनाएँ हो गई हैं । लोग मान बैठे हैं कि यही हमारा राष्ट्रीय चरित्र है, जब कि यह सच नहीं है । नैतिकता मरी नहीं है, पर प्रचार अनैतिकता का हो रहा है । लोगों में यह धारणा घर करती जा रही है कि जब बड़े लोग ही ऐसा कर रहे हैं तो हम क्या करें ? सबसे पहले तो इस सोच से मुक्ति पाना ज़रूरी है, और उसके बाद यह संकल्प कि भ्रष्टाचार से मुक्त समाज बनाएँगे । उन्हें बेनकाब करेंगे जो देश के नैतिक चरित्र को बिगाड़ रहे हैं ।

(क) देशवासियों के लिए गर्व की बात क्या है ? 1

(ख) देश की आशातीत प्रगति से जुड़ा धुँधला पक्ष क्या है ? 1

(ग) नैतिक चरित्र से लेखक का क्या आशय है ? 2

(घ) देश की प्रगति कब निरर्थक हो सकती है ? 2

(ङ) 'नैतिकता मरी नहीं है' – पक्ष या विपक्ष में अपने विचार 4-5 वाक्यों में लिखिए । 2

(च) समाज अनैतिक पहलू से कैसे मुक्ति पा सकता है ? 2

(छ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(ज) गद्यांश में प्रयुक्त किसी मुहावरे का वाक्य-प्रयोग कीजिए । 1

(झ) प्रत्यय अलग कीजिए – नैतिकता, ईमानदारी । 1

(ञ) उपसर्ग अलग कीजिए – निरर्थक, अधिकारी । 1

(ट) सरल वाक्य में बदलिए – लोग मान बैठे हैं कि यही हमारा राष्ट्रीय चरित्र है । 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

स्नायु तुम्हारे हों इस्पाती ।

देह तुम्हारी लोहे की हो, स्नायु तुम्हारे हों इस्पाती,

युवको, सुनो जवानी तुममें आए आँधी-सी अर्राती ।

जब तुम चलो चलो ऐसे

जैसे गति में तूफान समेटे ।

हो संकल्प तुम्हारे मन में

युग-युग के अरमान समेटे ।

अंतर हिंद महासागर-सा, हिमगिरि जैसी चौड़ी छाती ।

जग जीवन के आसमान में

तुम मध्याह्न सूर्य-से चमको

तुम अपने पावन चरित्र से

उज्ज्वल दर्पण जैसे दमको ।

साँस-साँस हो झंझा जैसी रहे कर्म ज्वाला भड़काती ।

जनमंगल की नई दिशा में

तुम जीवन की धार मोड़ दो

यदि व्यवधान चुनौती दे तो

तुम उसकी गरदन मरोड़ दो ।

ऐसे सबक सिखाओ जिसको याद करे युग-युग संघाती ।

स्नायु तुम्हारे हों इस्पाती ।

(क) युवकों के लिए फ़ौलादी शरीर की कामना क्यों की गई है ?

(ख) किसकी गरदन मरोड़ने को कहा गया है और क्यों ?

(ग) बलिष्ठ युवकों की चाल-ढाल के बारे में क्या कहा गया है ?

(घ) युवकों की तेजस्विता के बारे में क्या कल्पना की गई है ?

(ङ) उस पंक्ति को उद्धृत कीजिए जिसमें कहा गया है कि युवक अपने जीवन को लोक-कल्याण में लगा दें ।

खंड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **5**

(क) कम्प्यूटर की अपरिहार्यता

(ख) बाढ़ और उसके बाद

(ग) संपर्क भाषा हिंदी

(घ) शक्तिशाली मीडिया

4. चुनाव के दिनों में बढ़ गए शोर और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने की अपील करते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए । **5**

अथवा

राष्ट्रमंडल खेलों के सफल आयोजन में सहायता देने के लिए कुछ स्वयंसेवी युवक-युवतियों की आवश्यकता है जो खेल स्टेडियमों और खेल ग्राम में विभिन्न प्रकार के उत्तरदायित्वों में हाथ बँटा सकें । अपनी योग्यता और रुचियों का उल्लेख करते हुए मैनेजर, जनसंपर्क, ज.ला. नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली को पत्र लिखिए ।

5. (क) संक्षेप में उत्तर दीजिए : **1 × 5 = 5**

(i) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से क्या तात्पर्य है ?

(ii) समाचार लेखन के पाँच 'ककारों' को लिखिए ।

(iii) रेडियो की अपेक्षा टी.वी. समाचारों की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

(iv) किन्हीं चार हिंदी समाचार-पत्रों के नाम लिखिए जिनके इंटरनेट संस्करण भी उपलब्ध हों ।

(v) बीट रिपोर्टर किसे कहते हैं ?

(ख) 'गोदामों में सड़ता अनाज और भूख से तड़पते लोग' **अथवा** 'गाँवों में फ़ैशन की दस्तक' विषय पर एक आलेख लिखिए । **5**

6. 'मेट्रो रेल का सफर' **अथवा** 'किसानों की समस्याएँ' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । **5**

खंड – 'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 4 = 8**

रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष
अंगना-अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं ।
धनी, वज्र-गर्जन से बादल !
त्रस्त नयन, मुख ढाँप रहे हैं ।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर
ऐ विप्लव के वीर !
चूस लिया है उसका सार
हाड़-मात्र ही है आधार,
ऐ ! जीवन के पारावार ।

(क) 'विप्लव के वीर' किसे कहा गया है ? क्यों ?

(ख) कृषक की दशा कवि के अनुसार कैसी हो गई है ? इसके लिए कौन उत्तरदायी है ?

(ग) शोषकों के लिए 'रुद्ध कोष' और 'क्षुब्ध तोष' विशेषणों का औचित्य समझाइए ।

(घ) धनी 'अंगना-अंग से लिपटे' हुए भी आतंकित क्यों हैं ?

अथवा

सुत बित नारि भवन परिवारा । होहिं जाहिं जग बारहिं बारा ।।

अस बिचारि जियँ जागहु ताता । मिलइ न जगत सहोदर भ्राता ।।

जथा पंख बिनु खग अति दीना । मनि बिनु फनि करिबर कर हीना ।।

अस मम जिवन बंधु बिनु तोही । जौं जड़ दैव जिआवै मोही ।।

जैहउँ अवध कवन मुहु लाई । नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई ।।

(क) 'जागहु ताता' – कौन, किसे कह रहा है ? जगाने का संदर्भ क्या है ?

(ख) भाई के बिना जीवन की तुलना किससे की गई है ? तुलना का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) इन पंक्तियों में राम के माध्यम से तुलसी की नारी के बारे में जो मान्यता उजागर हुई है, उस पर अपने विचार लिखिए ।

(घ) काव्यांश के आधार पर भाई के प्रति राम के प्रेम पर टिप्पणी कीजिए ।

8. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

सवेरा हुआ

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए

अपनी नई साइकिल तेज़ चलाते हुए

घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से ।

(क) काव्यांश में उपमा के सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) मानवीकरण का एक उदाहरण छाँटकर उसका सौंदर्य समझाइए ।

(ग) काव्यांश के बिंब-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

अथवा

आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है

बालक तो हई चाँद पै ललचाया है

दर्पण उसे दे के कह रही है माँ

देख आईने में चाँद उतर आया है ।

(क) काव्यांश की रचना किस छंद में हुई है ? उस छंद का लक्षण समझाइए ।

(ख) भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए – 'देख आईने में चाँद उतर आया है ।'

(ग) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) 'आत्म परिचय' कविता में कवि क्यों कहता है – 'शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ ?' इस कथन का आशय समझाइए ।

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए :

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने

कविता का खिलना फूल क्या जाने !

(ग) 'जादू टूटता है इस इस उषा का अब' –
उषा का जादू क्या है ? वह कैसे टूटता है ?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 × 4 = 12**

(क) 'बाज़ार का जादू' क्या है ? उसके चढ़ने-उतरने का उपभोक्ता पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(ख) जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक अंग न मानने के पीछे डॉ. भीमराव आंबेडकर के क्या-क्या तर्क थे ?

(ग) 'नमक' कहानी में नमक की पुड़िया इतनी महत्त्वपूर्ण क्यों हो गई है ? कस्टम अधिकारी उसे लौटाते हुए भावुक क्यों हो उठा ?

(घ) पहलवान लुट्टन सिंह को राजा साहब की कृपादृष्टि कब प्राप्त हुई ? वह उन सुविधाओं से वंचित कैसे हो गया ?

(ङ) चार्ली चैप्लिन के व्यक्तित्व की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 × 4 = 8**

पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी । वैसे तो जीवन में सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं । केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए अपने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ ।

(क) लेखिका और पाठ के नाम का उल्लेख करते हुए बताइए कि गद्यांश में किसके बारे में चर्चा है ?

(ख) 'मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है' – कथन का आशय समझाइए । लेखिका ने ऐसा क्यों कहा ?

(ग) भक्तिन को समझदार क्यों कहा गया है ? वह अपना नाम किसी को क्यों नहीं बताती ?

(घ) 'इतिवृत्त' शब्द का क्या अर्थ है ? 'इतिवृत्त' सुनाने के बाद भक्तिन ने क्या प्रार्थना की ?

अथवा

इस चिलकती धूप में इतना इतना सरस वह कैसे बना रहता है ? क्या ये बाह्य परिवर्तन – धूप, वर्षा, आँधी, लू – अपने आपमें सत्य नहीं है ? हमारे देश के ऊपर से जो यह मारकाट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है । अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था । क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है । शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है । गांधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था । मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब-तब हूक उठती है – हाय, वह अवधूत अब कहाँ है !

(क) लेखक और पाठ का नामोल्लेख करते हुए बताइए कि गद्यांश में किस वनस्पति की चर्चा है ?

(ख) 'अवधूत' किसे कहते हैं ? शिरीष को अवधूत क्यों कहा है ?

(ग) 'एक बूढ़ा' से किसकी ओर संकेत है ? उसकी क्या विशेषता थी ?

(घ) गांधी और शिरीष में क्या साम्य दिखाया गया है ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 = 4**

(क) ऐन फ्रेंक की डायरी किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखी गई होगी ?

(ख) कार्यालय में सेक्शन ऑफिसर वाई.डी. पंत और उनके सहकर्मियों के संबंध कैसे थे ?

(ग) मुअनजो-दड़ो कहाँ है ? यह क्यों प्रसिद्ध है ?

13. 'सिल्वर वेडिंग' में पीढ़ियों के अंतराल को किस प्रकार उजागर किया गया है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **5**

अथवा

'टूटे-फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ अपने समय का दस्तावेज़ भी होते हैं ।' 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर उपर्युक्त कथन की पुष्टि कीजिए ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) ऐन फ्रेंक की डायरी को एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज क्यों माना जाता है ?

(ख) 'सिल्वर वेडिंग' कहानी में यशोधर पंत को बच्चों की तरक्की अच्छी भी लगती है और 'सम-हाउ-इंप्रॉपर' भी । कारण स्पष्ट कीजिए ।

(ग) मुअनजो-दड़ो की सभ्यता को 'लो प्रोफाइल' सभ्यता क्यों कहा गया है ? 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर लिखिए ।